

اقْرَأْ قَائِلًا

اقْرَأْ بِاسْمِ رَبِّكَ  
الَّذِي خَلَقَ  
الْإِنسَانَ مِنْ عَلَقٍ  
اقْرَأْ وَرَبُّكَ  
الْكَرِيمُ  
الَّذِي عَلَّمَ بِالْقَلَمِ  
وَرَبُّكَ  
الْعَزِيمُ  
الَّذِي عَلَّمَ بِالْقَلَمِ  
وَرَبُّكَ  
الْعَزِيمُ





# اِقْرَأْ قَاعَكَ

اِقْرَأْ رَوْضَتِ الْاَوْفَالِ كے بچوں اور بچیوں کیلئے خصوصی طور پر  
پرستی ترتیب سے تیار کردہ ابتدائی قاعدہ جو حفظ و قرآن کریم کیلئے  
انشاء اللہ تعالیٰ بہت مفید و معاون ہوگا۔



**IQRA**

**IQRA RAUZATUL  
ATFAL TRUST**

اِقْرَأْ

اِقْرَأْ رَوْضَتِ الْاَوْفَالِ رُسْتِ



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
تحت نمبر ① مفردات

الف  
ا

|     |     |      |     |     |     |
|-----|-----|------|-----|-----|-----|
| خا  | حا  | جیم  | ثا  | تا  | با  |
| خ   | ح   | ج    | ث   | ت   | ب   |
| شین | سین | زا   | را  | ذال | دال |
| ش   | س   | ز    | ر   | ذ   | د   |
| غین | عین | ظا   | طا  | ضاد | صاد |
| غ   | ع   | ظ    | ط   | ض   | ص   |
| نون | میم | لام  | کاف | قاف | فا  |
| ن   | م   | ل    | ک   | ق   | ف   |
|     | یا  | همزه | ها  | واو |     |
|     | ی   | ء    | ه   | و   |     |



# مشق متفرق

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ع | ه | ع | ح | ع | خ |
| ق | ك | ج | ش | ي | ض |
| ل | ن | ر | ت | د | ط |
| ث | ذ | ظ | ز | س | ص |
| ب | م | و | ف |   |   |
| خ | ص | ض | ع | ط | ق |
| ث | ذ | ظ | ز | س | ص |
| ع | ه | ع | ح | ع | خ |
| ت | ط | ث | س | ص | ح |
| ذ | ز | ظ | ض | ع | ق |
| ك |   |   |   |   |   |



## تختی نمبر ۲ مَرکبات

ہدایات: (۱) مرکب حروف میں ہر ہر حرف کی الگ الگ پہچان کرائیں۔ (۲) ایک جیسی شکل والے حروف میں نقطوں کے فرق سے حروف بدل کر شناخت کرائیں۔ (۳) اس تختی میں حروف کو اسی طرح پڑھائیں جس طرح تختی نمبر ۱ میں پڑھاتے ہیں، البتہ ایک خانہ میں لکھے ہوئے مرکب حروف کو ایک ہی سانس میں پڑھائیں، درمیان میں سانس نہ توڑیں۔

|     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ا   | لا  | لا  | با  | لا  | ل   |
| لا  | ج   | لا  | بلب | ک   | ک   |
| کب  | ٹت  | کا  | کل  | بکت | تلت |
| ب   | ت   | ث   | ن   | ی   | با  |
| نا  | تا  | یا  | ثا  | بس  | یس  |
| نص  | تض  | ثط  | ثج  | تم  | نخ  |
| یم  | جم  | یم  | بم  | نم  | تم  |
| ثم  | بی  | ی   | نی  | تی  | ٹی  |
| نبل | بنل | تنل | یتل | یشل | نبن |



|     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| بنن | تين | يشن | بشن | ج   | ح   |
| خ   | حث  | خب  | جت  | تحت | يجب |
| بخت | ة   | ه   | بة  | يه  | تة  |
| نه  | ه   | يهب | بها | بهم | د   |
| ز   | جد  | خذ  | ر   | ز   | ر   |
| جر  | خز  | ير  | تز  | س   | ش   |
| شل  | سل  | ص   | ض   | ط   | ظ   |
| ع   | غ   | عج  | عج  | بع  | يغ  |
| بعد | تغذ | ف   | ق   | و   | قل  |
| فو  | قو  | نقر | يفر | يف  | م   |
| م   | ء   | أ   | ؤ   | ئ   | سئل |

تمت بالخير



تحتی نمبر ۳ زیر

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | ت | ث | ج | ح | خ |
| د | ذ | ر | ز | س | ش |
| ص | ض | ط | ظ | ع | غ |
| ف | ق | ك | ل | م | ن |
|   | و | ه | ء | ا | ي |

|   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ت | ط | ث | س | ص | ح | ه |
| ذ | ز | ض | ظ | ع | ء | ق |

مشق

|         |        |        |        |        |        |
|---------|--------|--------|--------|--------|--------|
| بَلَّغَ | فَعَلَ | ثَمَرَ | أَمَرَ | عَبَسَ | مَكَثَ |
| رَفَعَ  | زَعَمَ | ظَلَمَ | أَخَذَ | سَرَقَ | صَدَقَ |
| ضَرَبَ  | كَسَبَ | خَرَجَ | مَرَجَ | حَسَدَ | سَجَدَ |
| شَرَحَ  | خَتَمَ | وَلَدَ | وَرَدَ | فَرَضَ | فَطَرَ |



تختی نمبر ۴ زیر

ب ب

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | ت | ث | ج | ح | خ |
| د | ذ | ر | ز | س | ش |
| ص | ض | ط | ظ | ع | غ |
| ف | ق | ک | ل | م | ن |
|   | و | ه | ء | ا | ی |

|    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|
| تِ | طِ | ثِ | سِ | صِ | حِ | هِ |    |
| ذِ | زِ | ضِ | ظِ | عِ | ءِ | قِ | كِ |

مشق

|        |        |        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| آذِنَ  | عَهْدَ | حَمْدَ | كِرَہ  | سَخِرَ | شَرِبَ |
| عَجِبَ | غَضِبَ | اِرْمَ | عَلِمَ | يَسَّ  | يَلَجَ |
| صَعِقَ | اِبِلَ | كَبَرَ | مَلِكَ | فَلَقَ | طَفِقَ |



تحتی نمبر ۵ پیش ۵

ب ب

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | ت | ث | ج | ح | خ |
| د | ذ | ر | ز | س | ش |
| ص | ض | ط | ظ | ع | غ |
| ف | ق | ک | ل | م | ن |
|   | و | ه | ء | ی |   |

|             |          |       |
|-------------|----------|-------|
| تُ ط        | ثُ سُ صُ | حُ هُ |
| ذُ زُ ضُ ظُ | عُ ءُ    | قُ كُ |

مشق

|        |        |        |        |         |        |
|--------|--------|--------|--------|---------|--------|
| سُئِلَ | مُنِعَ | ذُكِرَ | ظَلِمَ | أَعْطَى | تَزِرُ |
| خَبِثَ | أُفِقَ | سَقِطَ | يَهَبُ | يَلِجُ  | يَعِدُ |
| صُحِفَ | حُبِكَ | رُبِعَ | رُسِلَ | أُخِرَ  | عُقِدَ |



تحتی نمبر ۶ دوزیر

د دَا دِی

|        |      |     |     |     |     |
|--------|------|-----|-----|-----|-----|
| بَا    | تَاة | ثَا | جَا | حَا | خَا |
| دَادِی | ذَا  | رَا | زَا | سَا | شَا |
| صَا    | ضَا  | ظَا | ظَا | طَا | قَا |
| فَا    | قَا  | گَا | لَا | مَا | نَا |
|        | وَا  | هَا | ئَا | یَا |     |

|     |     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| تَا | ظَا | ثَا | سَا | صَا | حَا | هَا |
| ذَا | زَا | ضَا | ظَا | عَا | قَا | گَا |

مشق

|         |         |         |         |         |         |
|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| اَبَدًا | بَطْرًا | طَبَقًا | كَذِبًا | ثَمَنًا | صَعِقًا |
| سَفَهًا | قَصَصًا | اَسِفًا | عِنَبًا | عُرْبًا | لَعِبًا |
| ذُلًّا  | حَرَمًا | مَرَحًا | هُدًی   | طَوًی   | سَنَةً  |



تحتی نمبر ۷ دوزیر

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | ب | ب | ب | ب | ب |
| ت | ث | ج | ح | خ | د |
| ذ | ر | ز | ح | ش | د |
| ض | ط | ظ | ع | ع | م |
| ق | ك | ل | م | ن | ن |
| و | ه | ء | ي |   |   |
| ت | ث | س | ص | ح | ه |
| ذ | ز | ض | ظ | ع | ق |
|   |   |   |   |   | ك |

مشق

|         |         |         |         |        |         |
|---------|---------|---------|---------|--------|---------|
| عَمَد   | اُكْل   | جَجَج   | لَهَب   | فُرُش  | مُحَف   |
| خَبَر   | سُرِي   | غَضِب   | خُلِق   | ظُلِّل | يَقْبَس |
| رَقَبَة | هُمَزَة | لُمَزَة | نَفَقَة | بَدَم  | كَذِب   |



تختی نمبر ۸ روپیش

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | ب | ب | ب | ب | ب |
| ب | ث | ج | ح | خ |   |
| د | ذ | ز | س | ش |   |
| ص | ض | ط | ع | غ |   |
| ف | ق | ك | ل | م | ن |
|   | و | ه | ء | ي |   |

|   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ت | ط | ث | س | ص | ح | ه |
| ذ | ز | ض | ظ | ع | ق | ك |

مشق

|        |         |        |          |          |          |
|--------|---------|--------|----------|----------|----------|
| لَعِبٌ | دِيَّةٌ | حَرْجٌ | جَدَدٌ   | أَحَدٌ   | سُرٌّ    |
| بَشَرٌ | مَرَضٌ  | مَلَكٌ | رُسُلٌ   | رَجُلٌ   | قَسَمٌ   |
| أَمَمٌ | حُرْمٌ  | أُذُنٌ | بَقَرَةٌ | غَبَرَةٌ | قَتَرَةٌ |



تختی نمبر ۹ جزم ۲

|      |      |      |      |      |      |
|------|------|------|------|------|------|
| اُتْ | اِتْ | اَتْ | تْ   | هْ   | ثْ   |
| اُتْ | اِتْ | اَتْ | اُبْ | اِبْ | اَبْ |
| اُجْ | اِجْ | اَجْ | اُثْ | اِثْ | ا_ثْ |
| اُخْ | اِخْ | اَخْ | اُحْ | اِحْ | ا_حْ |
| اُدْ | اِذْ | اَذْ | اُدْ | اِذْ | ا_ذْ |
| اُزْ | اِزْ | اَزْ | اُرْ | اِرْ | ا_رْ |
| اُشْ | اِشْ | اَشْ | اُسْ | اِسْ | ا_سْ |
| اُضْ | اِضْ | اَضْ | اُصْ | اِصْ | ا_صْ |
| اُطْ | اِطْ | ا_طْ | اُطْ | اِطْ | ا_طْ |
| اُعْ | اِعْ | ا_عْ | اُعْ | اِعْ | ا_عْ |
| اُقْ | اِقْ | ا_قْ | اُفْ | اِفْ | ا_فْ |
| اُلْ | اِلْ | ا_لْ | اُلْ | اِلْ | ا_لْ |



|      |     |     |      |      |      |
|------|-----|-----|------|------|------|
| اَمْ | اِم | اُم | اَنْ | اِنْ | اُنْ |
| اَوْ | ☆   | اُو | اَه  | اِه  | اَه  |
| اَء  | اِء | اُء | اِى  | اِى  | ☆    |

ہدایات: (۱) اقرا قاعدہ کے صفحہ نمبر ۳ پر درج حروف کو ساکن کر کے ان کی بھی اسی طرح مشق کرا دی جائے  
(۲) اسی مقام پر حروف قلقلہ (ق ط ج ح) کی شناخت اور ان کی مشق بھی کرا دی جائے (۳) حسب سابق ان مشقوں کے لئے بھی تختہ سیاہ سے ضرور مدد لی جائے۔

|      |          |          |          |        |        |
|------|----------|----------|----------|--------|--------|
| اِذْ | اَمْ     | اِنْ     | اَوْ     | اِزْد  | اِزْ   |
| ذُقْ | دَعْ     | مَنْ     | لَوْ     | عِدْ   | قَدْ   |
| خُذْ | هَمْ     | مِنْ     | كَيْ     | كُنْ   | هَبْ   |
| كَمْ | لَمْ     | قَمْ     | بَلْ     | سَلْ   | تَبْ   |
| قُلْ | مِنْهُمْ | مِنْكُمْ | اَنْتُمْ | لَكُمْ | لَهُمْ |

مشق

|          |            |         |          |          |             |
|----------|------------|---------|----------|----------|-------------|
| اُقْتُلْ | نَقْصُ     | مَكْرًا | بَطْشَ   | قَطْرِ   | اَثِمَمْ    |
| حَبْلُ   | صَبْرًا    | اَجْرُ  | زَجْرَةً | صَدِيقِ  | قَدْحًا     |
| شَانُ    | يَا تِكُمْ | بِئْسَ  | قُرَى    | يُؤْمِنُ | مُؤَصَّدَةٌ |



|               |             |              |            |               |                 |
|---------------|-------------|--------------|------------|---------------|-----------------|
| أَرْسَلَ      | نَرَفَعُ    | أَرْكُضُ     | وَأَمُرُ   | فَاصْبِرْ     | يَغْفِرُ        |
| مَتَرَبَّةٍ   | نُطْفَةٍ    | بِالْإِثْمِ  | يُثْخِنَ   | تَسْمَعُ      | فَصَلِّ         |
| تَحْسِبُهُمْ  | أَحْسَنُ    | أَهْدِكُمْ   | نَعْبُدُ   | يَأْمُرُ      | وَاعْبُدُ       |
| إِذْهَبْ      | رِزْقًا     | يَظْلِمُ     | قَضَبًا    | مَقَرَبَةٍ    | يَكَلُوكُمْ     |
| أَخْرَجَتْكَ  | بِضْعٍ      | أَغْطِشَ     | أَطْهَرُ   | إِقْرَأْ      | أَظْفَرَكُمْ    |
| أُزْلِفَتْ    | رِزْقَكُمْ  | أَسْتَغْفِرُ | مَسْغَبَةٍ | فَاصْفَحْ     | تَصْلِيَةٍ      |
| أَثْقَلَتْ    | مُثْقَلَةً  | بِإِذْنٍ     | تَذْهَلُ   | مُظْلِمًا     | أَظْهَرَ        |
| رَأَى         | ظَهَرَكَ    | نَعْبُدُ     | نَحْنُ     | يَغْفِرُ      | مُخْرِجُ        |
| إِنْ أَنْتَ   | مِنْهُمْ    | أَنْعَمْتَ   | وَأَنْحَرُ | لِمَنْ خَشِيَ | وَالْمُخْنِقَةُ |
| يَنْطِقُ      | عِنْدَهُمْ  | لَكَذْتُمْ   | أَنْقَضَ   | يَنْكُثُ      | مِنْكُمْ        |
| مِنْ ثَمَرَةٍ | نُجِجَ      | أَنْذِرُ     | أَنْزِلُ   | نَذْسُخُ      | يَنْشُرُ        |
| يَنْصُرُ      | مِنْ ضَعْفٍ | فَانْظُرْ    | فَتَنْفَخُ | مِنْ قَسْوَةٍ | مُنْكَرَةٍ      |
| أَتَمُّ       | أَمْسِكْ    | طَبَّعْتُمْ  | قُلْتُمْ   | أَمِهلُ       | الْحَمْدُ       |



تحتی نمبر ۱۰ کھڑا زبر □ ا

بَ ب

|               |           |          |          |          |           |
|---------------|-----------|----------|----------|----------|-----------|
| بَ            | تَ        | ثَ       | جَ       | حَ       | خَ        |
| دَ            | ذَ        | رَ       | زَ       | سَ       | شَ        |
| صَ            | ضَ        | طَ       | ظَ       | عَ       | غَ        |
| فَ            | قَ        | كَ       | لَ       | مَ       | نَ        |
|               | وَ        | هَ       | ءَ       | يَ       |           |
| تَ            | طَ        | ثَ       | سَ       | صَ       | حَ        |
| ذَ            | زَ        | ظَ       | ضَ       | عَ       | ءَ        |
| عَلَى         | الْ       | عَهْدَ   | أَدَمَ   | مَلِكِ   | ذَلِكَ    |
| أَنْزَلْنَاهُ | إِسْحَاقَ | سَلَامُ  | كِتَابُ  | إِلَهُ   | عِمْرَانَ |
| أَثَرِ        | آيَاتِ    | خَلْقِكَ | قِنْدَتِ | حَفِظْتُ | سَمَوَاتِ |
| صَلَاةَ       | زَكَاةَ   | قَلْبِ   | سَجْدِ   | أَغْنَى  | تَرْضَى   |



تحتی نمبر ۱۱ کھڑی زیر

۱

پ ب

|   |   |   |     |   |   |
|---|---|---|-----|---|---|
| ب | ت | ث | ج   | ح | خ |
| د | ذ | ر | ز   | س | ش |
| ص | ض | ط | ظ   | ع | غ |
| ف | ق | ك | ل   | م | ن |
|   | و | ہ | ء ا | ی |   |

|   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ت | ط | ث | س | ص | ح | ہ |
| ذ | ز | ر | ظ | ض | ع | ء |
|   |   |   |   |   | ق | ك |

|             |            |         |           |            |         |
|-------------|------------|---------|-----------|------------|---------|
| بِہ         | ہِذِہ      | اٰیٰتِہ | بِیْدِہ   | کُتِبِہ    | رُسُلِہ |
| اَلْفِ      | اِبْرٰہِمَ | وَجْہِہ | بِعَبْدِہ | قَلْبِہ    | قَدْرِہ |
| مِثْلِہ     | بِنَصْرِہ  | نَفْسِہ | رَاسِہ    | ظُلْمِہ    | فَضْلِہ |
| بِرَحْمَتِہ | بِاَمْرِہ  | بَرْقِہ | بَعْدِہ   | اَلْفِہِمَ | یُحٰی   |



تحتی نمبر ۱۲) اُلٹا پیش [ب]

بُ ب

|   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | ث | ث | ج | ح | خ |
| د | ذ | ز | ز | س | ش |
| ص | ض | ظ | ظ | ع | غ |
| ف | ق | ك | ل | م | ن |
|   | و | ه | ء | ی |   |

|   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ث | ط | ث | س | ص | ح | ه |
| ذ | ز | ظ | ض | ع | ق | ك |

|            |            |            |            |            |            |
|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| يَدَهُ     | مَعَهُ     | يَرَهُ     | أَمْرَهُ   | كَتَبَهُ   | قَتَلَهُ   |
| نَصْرَهُ   | وَرِثَهُ   | نِعَمَهُ   | يَأْكُلُهُ | أَنْشَرَهُ | أَكْرَمَهُ |
| أَقْبَرَهُ | أَطْعَمَهُ | يَبْسُطُهُ | قَبَضَتْهُ | وَجَّهَهُ  | صَدَّرَهُ  |
| خَتَمَهُ   | كَتَبَهُ   | سُبْحَنَهُ | وَرَى      | يَسْتَوْنَ | يَلُونْ    |



تختی نمبر ۱۳ الف مدہ ۱

|           |           |           |         |         |          |
|-----------|-----------|-----------|---------|---------|----------|
| بَ        | بِ        | بَا       | بِا     | بَا     | بَا      |
| بَا       | تَا       | ثَا       | جَا     | حَا     | خَا      |
| دَا       | ذَا       | رَا       | زَا     | سَا     | شَا      |
| طَا       | ضَا       | ظَا       | عَا     | غَا     |          |
| فَا       | قَا       | کَا       | لَا     | مَا     | نَا      |
|           | وَا       | هَا       | ءَا     | یَا     |          |
| بَ        | بِ        | بَا       | بِا     | بَا     | بَا      |
| رَ        | رِ        | رَا       | رِا     | رَا     | رَا      |
| ذَاتَ     | خَافَ     | كَانَ     | قَالَ   | تَابَ   | طَالَ    |
| عَادُ     | نَارًا    | قَادِرُ   | حَاسِدٍ | ظَالِمٌ | ثَوَابًا |
| أَصَابَ   | عَابِدُ   | ضَاحِكًا  | حَافِظُ | غَاسِقٍ | صَوَابًا |
| كَوَاعِبَ | فَوَاحِشَ | رَوَاسِيَ | دَاوُدُ | غَاوُنَ | ضُحَاهَا |



تحتی نمبر ۱۴ و مدہ [و]

بُ ب بُو بُو

بُو تُو ثُو جُو حُو خُو

دُو ذُو رُو زُو سُو شُو

صُو ضُو طُو ظُو عُو غُو

فُو قُو كُو لُو مُو نُو

وُو هُو ءُو اُو يُو

بُ ب بُو بُو ثُ ثُ ثُو

رُ رُ رُو رُو كُ كُ كُو

قَالُوا كَانُوا ثُبُورًا ذَرُونَا قُلُوبٌ شُهُودٌ

قُعُودٌ أَعُودُ وَجُوهٌ حُورٌ تَفُورُ يَقُولُونَ

جُوعٌ يُوْفُونَ يَنْظُرُونَ مَنُصُودٍ مَنُثُورًا مَحْفُوظٌ

يَفْعَلُونَ يَمْنَعُونَ الْمَاعُونَ وَمَانِهَكُمْ عَنْهُ فَانْتَهَوْا



# تختی نمبر ۱۵ ی مَدَّہ سی

|              |            |            |            |              |             |
|--------------|------------|------------|------------|--------------|-------------|
| بِ           | بِ         | بِ         | بِ         | بِ           | بِ          |
| بِ           | بِ         | بِ         | بِ         | بِ           | بِ          |
| دِ           | ذِ         | رِ         | زِ         | سِ           | شِ          |
| صِ           | ضِ         | طِ         | ظِ         | عِ           | غِ          |
| فِ           | قِ         | کِ         | لِ         | مِ           | نِ          |
|              | وِ         | هِ         | ئِ         | یِ           |             |
| بِ           | بِ         | بِ         | تِ         | تِ           | تِ          |
| رِ           | رِ         | رِ         | کِ         | کِ           | کِ          |
| اَخِ         | نُرِ       | کَلِ       | رُوحِ      | اَوِ         | دِیْنِ      |
| تَجَزِیْ     | کَثِیْرًا  | مَجِیْدٌ   | مُحِیْطٌ   | نَذِیْرٌ     | کَرِیْمٌ    |
| یَتِیْمًا    | عَلِیْمٌ   | عِیْنٌ     | غِیْضٌ     | قِیْلَ       | سِیْقَ      |
| خَلِیْدِیْنِ | لِبِشِیْنِ | مَکِثِیْنِ | نُوحِیْهَا | اِیْثُوْنِیْ | اُوْذِیْنَا |



# تحتی نمبر ۱۶ ولین [و]

بُو بَو بُو

|          |            |               |            |              |               |
|----------|------------|---------------|------------|--------------|---------------|
| بُو      | تُو        | ثُو           | جُو        | حُو          | خُو           |
| دُو      | ذُو        | رُو           | زُو        | سُو          | شُو           |
| صُو      | ضُو        | طُو           | ظُو        | عُو          | غُو           |
| فُو      | قُو        | کُو           | لُو        | مُو          | نُو           |
|          | وُو        | هُو           | ءُو اُو    | یُو          |               |
| تُو      | تُو        | طُو           | طُو        | حُو          | حُو           |
| هُو      | هُو        | اُو           | اُو        | عُو          | عُو           |
| صَوْمًا  | نَرُوجًا   | غُورًا        | سُوفَ      | سُوطَ        | کُوثَرَ       |
| قَوْلُ   | اَوْتَادًا | عَفَوْنَا     | رَوحُ      | یَرُونَهَا   | اَوْهَنَ      |
| حَوْلَهُ | یَوْمَ     | تَوْبَةٍ      | فَوْقَ     | یَنْهَوْنَ   | یَنْتُونُ     |
| یَوْمِذِ | قَوْمِی    | اَوْحٰی لَهَا | تَوَاصَوْا | مَوْقُوفُونَ | یَسْتَوْفُونَ |



تحتی نمبر ۱۷ ی لین سی

بِیْ بَیْ بِیْ

|                    |                           |                     |             |             |           |
|--------------------|---------------------------|---------------------|-------------|-------------|-----------|
| بِیْ               | تِیْ                      | ثِیْ                | جِیْ        | حِیْ        | خِیْ      |
| دِیْ               | ذِیْ                      | رِیْ                | زِیْ        | سِیْ        | شِیْ      |
| صِیْ               | ضِیْ                      | طِیْ                | ظِیْ        | عِیْ        | غِیْ      |
| فِیْ               | قِیْ                      | کِیْ                | لِیْ        | مِیْ        | نِیْ      |
|                    | وِیْ                      | هِیْ                | اِیْ        | یْ          |           |
| تِیْ               | تِیْ                      | طِیْ                | طِیْ        | حِیْ        | حِیْ      |
| هِیْ               | هِیْ                      | اِیْ                | اِیْ        | عِیْ        | عِیْ      |
| رُویْدَا           | هَدَیْنَا                 | اَتَیْنَا           | اَعْطَیْنَا | بَیْنَهُمَا | کَیْدَا   |
| اَیْنِ             | عَیْنُ                    | قُرَیْشِ            | عَیْنِیْنِ  | زَیْتُوْنِ  | هَیْهَاتَ |
| خَیْرُ             | بَدَیْنِ                  | عَلِیْهِمْ          | اَنْجَیْنَا | وَلِیْ      | رَآیْتَ   |
| لَیْلَةُ الْقَدْرِ | اَعْطَیْنَاكَ الْکَوْثَرَ | یَا لَیْتَ قَوْمِیْ |             |             |           |



تحتی نمبر ۱۸ تشدید ۳

آت آت آت آت آت آت

|    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|
| آب | آت | آت | آج | آح | آخ | آد |
| آز | آر | آز | آس | آش | آص | آض |
| آظ | آظ | آع | آع | آف | آق | آک |
| آل | آم | آن | آو | آه | آء | آی |

فہم مشدود اور کون مشدود  
پر ہمیشہ ہمیشہ ہوتا ہے

|            |             |                 |                  |              |            |
|------------|-------------|-----------------|------------------|--------------|------------|
| صَدَقَ     | قَدَرَ      | كَذَّبَ         | عَلَّمَ          | حُصِّلَ      | عَدَدَ     |
| مُدَّتْ    | حُقِّقَتْ   | خَفَّتْ         | يَسِرُ           | تَبَّتْ      | تَقَبَّلَ  |
| تَبَّ      | صَبَّ       | ظَنَّ           | ثُمَّ            | مِمَّ        | هَنَّ      |
| عَلِيُّونَ | عَلِيَّيْنَ | إِنَّ الَّذِينَ | إِلَّا الَّذِينَ | يَزْكِي      | يَذْكُرُ   |
| حَتَّى     | لَشَتَّى    | صَلَّى          | تَوَلَّى         | تَجَلَّى     | وَالضُّحَى |
| عَدُوٌّ    | مُسْتَمِرٌّ | عَرَبِيٌّ       | سَامِرِيٌّ       | فِي الْيَمِّ | فَطَلَّ    |



# تختی نمبر ۱۹ مَدَات

اُذِیْنَا اِلِف وِری ۵ سے بدل

|                          |                  |                             |              |                               |                     |
|--------------------------|------------------|-----------------------------|--------------|-------------------------------|---------------------|
| عَطَاءٌ                  | عُشَاءٌ          | نِسَاءٌ                     | اَدَاءٌ      | سَوَاءٌ                       | جَزَاءٌ             |
| جَائٍ                    | سِیءٌ            | یُضِیءٌ                     | بَرِیءٌ      | خَطِیئَتُهُ                   | سُوءٌ               |
| بِمَا نُزِّلَ            | قَالُوا اٰمَنَّا | بَنِیْ اٰدَمَ               | یَا اٰدَمُ   | یَاٰیہَا الَّذِیْنَ اٰمَنُوْا |                     |
| اُولٰٓئِكَ               | مَلٰٓئِکَۃٌ      | اَلُّشْنَ                   | اٰمِیْنَ     | وَالصَّفٰتِ                   | وَلَا تُخْضَوْنَ    |
| صَوَافٍ                  | غَیْرُ مُضَارٍ   | وَلَا جَانَ                 | لِضَالُوْنَ  | ظَالِیْنَ                     | وَلَا الضَّالِّیْنَ |
| لَا اِلٰهَ اِلَّا اَنْتَ | هٰؤُلَاءِ        | فَاِذَا جَاۤءَتِ الصَّٰخَۃُ |              |                               |                     |
| هٰنِیْئًا مَّرِیْئًا     | اَتُحَاجُّوْنِیْ | فَاِذَا جَاۤءَتِ الطَّآمَۃُ | اَلْکُبْرِیْ |                               |                     |

## حُرُوفِ مُقَطَّعَاتٍ

|        |           |        |           |           |
|--------|-----------|--------|-----------|-----------|
| اَلْمَ | اَلْمَصَّ | اَلرَّ | اَلْمَرَّ | کَهٰیعَصَ |
| ظَهْ   | طَسَمَ    | طَسَ   | یَسَ      | صَ        |
| حَمَ   | حَمَّ     | عَسَقَ | قَ        | نَ        |



## تحتی نمبر ۲۰ مشق متفرق

قاعدہ: (۱) اگر لفظ اللہ اور اللہم کے "ل" سے پہلے زیر یا پیش ہو تو اس "ل" کو موٹا اور اگر زیر ہو اسے باریک پڑھتے ہیں۔ (۲) بقیہ ہر "ل" ہر صورت میں باریک پڑھا جاتا ہے:

أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ۝ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ  
الرَّحِيمِ ۝ اللَّهُمَّ - قَالُوا اللَّهُمَّ - مِنْ اللَّهِ - تَاللَّهُ - بِاللَّهِ  
لِلَّهِ - عَلَّمَ الْإِنْسَانَ - وَاللَّيْلِ - زُلْزِلَتِ الْأَرْضُ زَلْزَالَهَا ۝

قاعدہ: (۱) "م" مشدود پر ہمیشہ غنہ ہوتا ہے۔ (۲) اسی طرح "م" ساکن کے بعد "م" یا "ب" آ جائے تو وہاں بھی قاعدہ کے مطابق غنہ ہوتا ہے۔ (۳) البتہ "م" ساکن کے بعد "م" یا "ب" کے علاوہ کوئی اور حرف آجائے تو وہاں غنہ نہیں ہوتا

عَمَّ - ثُمَّ - أُمَّةٍ - مُسَمًّى - فِي الْيَمِّ - مُزْمَلٌ - فَلَمَّا  
لَكُم مِّنْهُ - وَهُمْ مَّهْتَدُونَ - وَلَكُمْ مَّا - إِلَيْكُمْ مُّرْسَلُونَ  
يَعْتَصِمُ بِاللَّهِ - تَرْمِيهِمْ بِحِجَارَةٍ - كَفَرْتُمْ بِهِ - فَدَمْدَمَ - أَلَمْ نَشْرَحْ

قاعدہ: (۱) "ن" ساکن یا تنوین کے بعد حروف حلقی (ء ه ع ح غ خ) میں سے کوئی حرف آجائے تو "ن" ساکن اور تنوین کو غنہ کے بغیر پڑھتے ہیں۔ (۲) اسی طرح اگر ن ساکن یا تنوین کے بعد "ل" یا "ر" آجائے تب بھی غنہ نہیں کرتے اور "ن" کی آواز بھی نہیں آتی:

يَذْنُونَ - مَنْ أَمِنَ - يَنْهَوْنَ - مَنْ هَاجَرَ - أَعَمَّتْ - مِنْ عَلَقٍ  
وَأَنْحَرَ - مَنْ حَرَّمَ - فَسَيُغْضُونَ مِنْ غَيْرِكُمْ - وَالْمُغْنِقَةُ لِمَنْ خَشِيَ



وَجَذِبَتْ أَلْفَاظًا جُرْفٍ هَارٍ - وَسَلَّمْ عَلَى الْمُرْسَلِينَ نَارَ الْحَامِيَّةِ  
 أَجْرُ غَيْرِ مَمْنُونٍ نَخْلٍ خَاوِيَةٍ مِنْ لَدُنْهُ - مَنْ رَحِمَ - مِنْ رَبِّكَ  
 مَا لَا أَلْبَدًا - جَذِبَتْ لَهُمْ - رَبِّدًا زَابِيًا - فِي عَيْشَةٍ رَاضِيَةٍ

قاعدہ: (۱) ن ساکن یا تنوین کے بعد ی و ن م میں سے کوئی حرف آجائے تو قاعدہ کے مطابق غنہ کرتے ہیں۔ (۲) البتہ الدنیا، بنیان، صنوان اور قنوان کے "ن" ساکن پر غنہ نہیں کرتے۔

إِنْ يَنْصُرْكُمْ - وَإِنْ يُرِيدُوا - أَفَمَنْ وَعَدْنَا - مِنْ وَالٍ  
 خَيْرًا يَرَهُ - شَرًّا يَرَهُ - إِلَهُ وَاحِدٌ - مَالٌ وَلَا بَنُونَ  
 إِنْ تَقُولُ - مِنْ نَارٍ - شَيْءٌ نَكِرٌ - مِنْ مَّاءٍ - مِنْ مِّثْلِهِ - خَيْرٌ مِنْهُ  
 الدُّنْيَا - بُنْيَانٌ - قَنَوَانٌ - صُنَوَانٌ - بُنْيَانُهُ - بُنْيَانًا

قاعدہ: ن ساکن یا تنوین کے بعد "ب" آجائے تو ن کو م سے بدل کر م میں غنہ کرتے ہیں:

أَنْبِئُونِي - مِنْ بَعْدِ - مِنْ بَيْنِ الصُّلْبِ - بِذَنبِهِمْ - مَنْ بَخِلَ  
 أَمَدًا بَعِيدًا - كَرَامٍ بَرَّةٍ - سَمِيعٌ بَصِيرٌ - عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ

قاعدہ: (۱) امالہ والی را کو قطرے اور سویرے کی را کی طرح پڑھتے ہیں۔ (۲) جہاں سکتہ ہو وہاں پر آواز بالکل تھوڑی دیر کے لئے روک لیتے ہیں لیکن سانس نہیں توڑتے:

تَحْرِيهَا - مَنْ رَاقٍ - بَلْ رَانَ - مِنْ مَّرْقَدِنَا مَهْدًا



قاعدہ: (۱) درج ذیل مثالوں میں جو چھوٹا سا "ن" ہے اسے نون قطنی کہتے ہیں۔ اسے ہجہ اور رواں میں پڑھتے ہیں۔ (۲) البتہ جب اس لفظ پر وقف کریں جس کے آخر میں نون قطنی ہو تب نہیں پڑھتے:

عَادَا الْاَوَّلٰی خَيْرَ الْوَصِيَّةِ مَثَلًا لِّلْقَوْمِ لَمَزَةٍ اَلَّذِي قَدِيرٌ اَلَّذِي

قاعدہ: اگر مشدّد حرف سے پہلے ساکن حرف ہو تو عام طور پر ساکن حرف کو نہیں پڑھتے، نہ ہجہ میں نہ رواں میں:

اَضْرِبْ بِعَصَاكَ قَدْ خَلَوْا اِذْ ذَهَبَ - وَاذْكُرْ رَبَّكَ

يَجْعَلُ لَّهٗ - اَوْ وَنَرُوهُمْ يَدْرِكَكُمْ - فَلَا يُسْرِفُ فِي الْقَتْلِ

مَهْدَتٌ - وَجَدْتُمْ - قَالَتْ طَافِيَةٌ - اِذْ ظَلَمُوا - اِذْ ظَلَمْتُمْ

اِرْكَبْ مَعَنَا - اَلَمْ نَخْلُقْكُمْ - مِنْ لَدُنْهُ - مِنْ رَبِّكَ - قُلْ رَبِّ

تنبیہ: درج ذیل صورتوں میں ہمزہ کی ادائیگی کا خاص خیال رکھا جائے:

(۱) اگر دو ہمزے جمع ہو جائیں تو دونوں کو خوب واضح کر کے ادا کیا جائے۔ (۲) ساکن حرف کے بعد ہمزہ ہو تو ساکن حرف ہمزہ دونوں کو خوب واضح کر کے ادا کریں۔ (۳) ہمزہ کے بعد والا حرف پُر پڑھا جا رہا ہو تو خیال رکھیں کہ ہمزہ پُر نہ ہو جائے۔

ءَاِنَّا - ءَاِذَا كُنَّا - ءَاَنْتُمْ - ءَاِلِدٌ - ءَاَنْذَرْتَهُمْ - ءَاَرْبَابٌ

قَدْ اَفْلَحَ - وَالْاَرْضَ - وَمَنْ اَظْلَمُ - مِنْ اَنْفُسِهِمْ - اِنْ اَجْرِي

اَقْرَرْتُمْ - اَرْسَهَا - اَصْحَبُ الْجَنَّةِ - اَللّٰهُ الصَّمَدُ

تنبیہ: (۱) جب دو حروف حلقی جمع ہو جائیں یا (۲) جب حروف مدہ اور حروف حلقی جمع ہو جائیں یا (۳) حروف مدہ کے بعد کوئی حرف حلقی ہو جس پر وقف کیا جائے یا (۴) حرف حلقی مشدّد ہو تو ان سب صورتوں میں حروف حلقی کو واضح اور بالکل صاف صاف ادا کیا جائے:



جِبَاهُهُمْ - وَجُوهُهُمْ - قُطِبَ عَلَى - لَا أُضِيعُ عَمَلَ

بِمُرْحَرَجِهِ - سَبَّحَهُ - وَمَا قَدَرُوا اللَّهَ حَقَّ قَدْرِهِ

إِنَّ اللَّهَ عَمِيدُ الْيَنَاءِ - لِأَجْنَحَ عَلَيْكُمْ - زُحِرَ عَنِ النَّارِ

اللَّهُ أَحَدٌ - أَلَمْ أَعْهَدْ - أَعُوذُ - فَاصْفَحْ عَنْهُمْ

فَاعِلَيْنَ - عَلَى عَقْبِيهِ - لَفِي عِلِّيَّينَ - لِأَجْنَحَ - لَا أُضِيعُ إِلَهَ

عَلِيدٌ - حَافِظٌ - أَعُوذُ - عَاهِدٌ - جُوعٌ - سُوءٌ - فَعَالٌ - وَهَاجَا

تنبیہ: بلقی جلتی آواز والے حروف جمع ہو جائیں تو ان میں فرق کا خاص خیال رکھا جائے۔

أَلَيْسَ الصُّبْحُ - مِيرَاتُ السَّمَوَاتِ - عَزِيزٌ ذُو انْتِقَامٍ - إِذَا الظَّالِمُونَ

مُتَطَهَّرِينَ - مَبْسُوطِينَ - نَجَزَى الظَّالِمِينَ - أَوْعَطَتْ - أَفْضَمُّ

فَمِنْ اضْطَرَّ - يَعْضُ الظَّالِمُ - أَنْقَضَ ظَهْرَكَ

تنبیہ: جب شد حرف پر وقف کیا جائے تو تشدید کی ادائیگی کا خاص خیال رکھا جائے۔ خصوصاً جبکہ ر مشدّد ن مشدّد اور کی مشدّد پر وقف کیا جائے:

أَذَلَّ - فَطَلَّ - عَدُوٌّ - مُسْتَمِرٌّ - وَالْمُعْتَرَّ - مَفَرُّ

أَيْدِيَهُنَّ - عَلَيْهِنَّ - صَوَافٍ - يُصَلُّونَ عَلَى النَّبِيِّ



قاعدہ: (۱) اگر گول (ا) پر وقف کیا جائے تو اسے د سے بدل کر ساکن کر دیتے ہیں۔ (۲) اگر دو زیر (ب) پر وقف کیا جائے تو اسے ایک الف کے برابر کھینچ کر پڑھتے ہیں۔ (۳) اگر کسی ایسے لفظ پر وقف کیا جائے جس کے آخر میں کوئی حرکت (۔۔۔۔۔) یا دو زیر (۔۔۔۔۔) یا دو پیش (۔۔۔۔۔) کی تنوین ہو تو آخری حرف کو ساکن کر دیتے ہیں۔

نَخْلٌ خَاوِيَةٌ ۝ نَارًا حَامِيَةٌ ۝ كُتِبَ قِيمَةٌ ۝ وَجَنَّتِ الْفَلَاةُ ۝

هُدًى ۝ نِسَاءً ۝ اَعْطَيْنَكَ الْكَوْثَرَ ۝ لَيْلَةُ الْقَدْرِ ۝

قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ۝ اللَّهُ الصَّمَدُ ۝ مِنْ مَّسَدٍ ۝ بِدَمٍ كَذِبٍ ط

قاعدہ: (۱) اگر کسی لفظ کے آخری حرف پر کھڑی حرکت (۔۔۔۔۔) ہو تو وقف کی صورت میں کوئی تبدیلی نہیں آتی (۲) البتہ اگر وہ پر کھڑی حرکت ہو تو اسے ساکن کر دیتے ہیں۔

وَالضُّحَىٰ ۝ وَاللَّيْلِ إِذَا سَجَىٰ ۝ يُحْيِي ۝ تَجَلَّى ۝ كِتَابَهُ ۝ رُسُلِهِ ۝

قاعدہ: اگر حروف مدہ یا ساکن حروف پر وقف کیا جائے تو کوئی تبدیلی نہیں ہوتی۔

أَنْزَلْنَاهُ ۝ قَالُوا ۝ ائْتُونِي ۝ فَاَنْصَبْ ۝ فَاَرْغَبْ ۝ لَمْ يَلِدْ ۝

قاعدہ: اگر وقف کی وجہ سے حروف مدہ، کھڑی حرکات یا حروف لین کے بعد والا حرف ساکن ہو جائے تو حروف مدہ، کھڑی حرکات اور حروف لین پر مد کرتے ہیں۔

سَلَامٌ عَلَىٰ اِبْرَاهِيمَ ۝ غَاوُنَ ۝ عَيْنَيْنِ ۝ وَاَمْنَهُمْ مِّنْ خَوْفٍ ۝

وَإِلَيْهِ مَتَابٌ ۝ وَهُمْ مُّهْتَدُونَ ۝ الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ۝

الْحَمْدُ لِلّٰهِ الَّذِي بِنِعْمَتِهِ تَتِمُّ الصَّالِحَاتُ



# ہدایات و اشارات برائے تدریس اقرأ قاعدہ

محتیٰ نمبر ۱ اس مکتبی کے خاصہ صحت و دل میں ہیں

(۱) عربی حروف کی پہچان، لہذا

- (۱) پہلے مکتبی کی شناخت کرائیں، پھر انھوں کی، پھر ایک بھی شکلوں کو نقطوں کے ذریعہ حروف میں تبدیل کریں۔
- (۲) نقطوں کی تعداد اور آواز پہلے لکھنے کا تصور بھی واضح کریں۔
- (۳) ایک بھی اصل والے حروف ایک ہی مرحلہ میں پڑھائیں پھر بتدریج آگے بڑھاتے جائیں۔
- (۴) نقطوں کی تبدیلی سے حروف کی تبدیلی کو بھی واضح کرائیں۔

(۲) عربی حروف کے درست تلفظ کی تعلیم، لہذا

- (۱) مفرد حروف کے وہی نام یاد کرائیں جو لکھے ہوئے ہیں۔
- (۲) حروف کو ان کے حرج سے سمجھا دیا کریں۔
- (۳) ہوا لنگی میں بخارج کے ساتھ صفات کا بھی خیال رکھیں۔
- (۴) بخارج و صفات نہ ہائی بتانے کے ساتھ ساتھ عملی مشق کے ذریعہ بھی اصلاح کرائیں۔

(۳) درج ذیل حروف کی ادائیگی پر خاص توجہ دیں:

- (۱) مئے حروف (خ ص ض ط ق ظ)
- (۲) سیل والے حروف (ز س ص)
- (۳) زبی والے حروف (ث ا ظ)
- (۴) حروف حلقی (ء و ع ح غ خ)
- (۵) ف اور

(۴) اس محتوی کو مکمل پڑھانے کے بعد مختلف مقامات سے مفرد حروف کا امتحان لیں۔ اگر پہچان میں کمی ہو تو مزید محنت کرائیں۔

قاعدہ میں ضروری ہدایت درج ہیں۔

- (۱) زبکی شناخت کرائیں اور اس کے پڑھنے کا طریقہ بتائیں کہ زبیر والے حرف کو کھینچے بغیر اور جھکا دیے بغیر پڑھتے ہیں۔
- (۲) اس محتوی میں بچوں کو بچہ و رواں اور وقف تینوں کی تعلیم دیں۔
- (۳) مفردات رواں بھی پڑھائیں۔

(۴) حروف قشایہ الصوت (ملتی جلتی آواز والے حروف) میں فرق کا خیال رکھیں۔

- (۵) "ز" پڑھ رہا ہو تو اسے پڑھائیں۔
- (۶) بچوں کو رواں پڑھنے کا عادی بنائیں۔
- (۷) وقف میں حروف قلقلہ پر قلقلہ کرائیں۔

مثل بالا، البتہ

- (۱) "ز" کے نیچے زیر ہو تو اسے باریک پڑھائیں۔
- (۲) سحر کی ر وقف میں باریک پڑھائیں۔
- (۳) زیر کو بھول پڑھنے سے بچائیں۔

مثل بالا، البتہ

- (۱) "ز" کے اوپر پیش ہو تو اسے موٹا پڑھائیں۔
- (۲) ذکر اور تہذیب کی "ر" وقف میں باریک پڑھائیں۔

محتیٰ نمبر ۲

محتیٰ نمبر ۳

محتیٰ نمبر ۴

محتیٰ نمبر ۵







محنتی نمبر ۱۷

سب کچھ حسب سابق، البتہ یہ محنتی پڑھا کر سمجھا دیں گی

(۱) حرکات کی دو قسمیں ہیں بڑی حرکات اور کھڑی حرکات، بڑی حرکات کو بڑی حرکات کہتے ہیں۔

اور کھڑی حرکات کو کھڑی حرکات کہتے ہیں۔

(۲) دونوں کے پڑھنے کا طریقہ اور دونوں میں فرق سمجھا کر اچھی طرح تقابل کرا دیں۔

(۱) زیر اور کھڑی حرکات کی مدد سے الف مد کی شناخت کرائیں۔

(۲) الف مد کو کھڑی حرکات کی طرح ایک الف کے برابر سمجھ کر پڑھائیں۔

(۳) زیر اور الف مد میں فرق اور مد میں فرق سمجھا کر ان کا تقابل کرا کر ذہن نشین کرا دیں۔

(۴) الف مد کے بعد والا حرف ساکن ہو (جیسا کہ عموماً وقف میں ہوتا ہے) تو اسے تین سے پانچ الف کے برابر سمجھ کر پڑھائیں۔

(۵) اگر الف مد پر وقف ہو تو ایک الف سے زیادہ نہ سمجھنے دیں۔

محنتی نمبر ۱۸

سب کچھ حسب سابق

سب کچھ حسب سابق، البتہ یہ محنتی پڑھا کر یاد کرا دیں کہ حروف مد تین ہیں، پھر ان کی پہچان، پڑھنے کا طریقہ سمجھا کر بڑی حرکات اور کھڑی

حرکات سے ان کا تعلق (فرق اور مد میں فرق) سمجھا دیں۔ تقابل بھی کرائیں۔

(۱) "و" مد کی مد سے "و" لین کی شناخت کرائیں

(۲) سمجھائیں کہ "و" لین کو زنی کے ساتھ جلدی سے پڑھتے ہیں

(۳) ولین کو بھول پڑھنے سے بچائیں

(۴) "و" مد اور "و" لین میں فرق سمجھا کر تقابل کرا کر دونوں کے پڑھنے میں خوب اچھی طرح فرق کرائیں

(۵) سمجھا دیں کہ "و" لین کو تو نہیں سمجھنے لیکن اس کے بعد والا حرف ساکن ہو (جیسا کہ عموماً وقف میں ہوتا ہے) تو اسے سمجھ کر پڑھتے ہیں۔

(۶) بقیہ حسب سابق

سب کچھ حسب سابق، البتہ یہ محنتی پڑھا کر سمجھا دیں کہ حروف لین دو ہیں، پھر ان کی پہچان اور پڑھنے کا طریقہ سمجھا کر "و" مد اور "ی" مد سے

تقابل کرا دیں۔

(۱) تشدید کی شناخت کرائیں کہ اس تین دندانے والی شکل کو تشدید کہتے ہیں۔

(۲) تشدید والے حرف کو مشدد کہتے ہیں۔

(۳) مشدد حرف دوم مرتبہ پڑھا جاتا ہے، ایک مرتبہ اپنے سے پہلے والے حرف سے مل کر اور دوسری مرتبہ اپنی حرکت کے مطابق یا اپنے بعد

والے حرف سے مل کر۔

(۴) مشدد حرف کو سختی کے ساتھ ذرا زک کر پڑھتے ہیں۔

(۵) جزم اور تشدید، ساکن اور مشدد میں فرق واضح طور پر سمجھا دیں۔

(۶) "ز" مشدد کو اس کی حرکت کے مطابق باریک یا بڑ پڑھائیں۔

(۷) "ن" مشدد اور "م" مشدد پر غصہ کرائیں۔

(۸) مشدد حرف پر وقف ہو تو اسے اس طرح ساکن کریں کہ تشدید باقی رہے اور حرکت کا کوئی حصہ ظاہر نہ ہو خصوصاً "ی" مشدد "ن"

مشدد اور "ی" مشدد پر وقف کرتے وقت خاص خیال رکھیں۔

(۹) حرف قلقلہ مشدد ہو اور اس پر وقف کیا جائے تو قلقلہ خوب ظاہر ہو۔

محنتی نمبر ۱۹

(۱) چھوٹی مد اور بڑی مد کی پہچان کرائیں۔

(۲) بتائیں کہ دونوں کو تین سے پانچ الف کے برابر سمجھ کر پڑھتے ہیں۔

(۳) بچہ کرتے وقت مد کا نام لیں۔

محنتی نمبر ۲۰

ہدایات قاعدے میں درج ہیں۔

فَاِطْعِمُوْهُ

وقف میں ۵